मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 10

MTT–055

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(संशोधित) (पी. जी. डी. टी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.टी.टी.–055 : अनुवाद : साहित्य और जनसंचार

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रश्न संख्या 1 से 6 तक किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर लगभग* ***750*** *शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रश्न संख्या* ***7*** *और* ***8*** *अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के अंक उनके समक्ष दिए गए हैं।*

---

1. साहित्यानुवाद की प्रक्रिया एवं उसके प्रकारों पर प्रकाश डालिए। 15

2. कविता के अनुवाद की चुनौतियों की सोदाहरण चर्चा कीजिए। 15

3. भारतीय कालजयी साहित्य के वैश्विक अनुवादों की विवेचना कीजिए। 15

4. मुद्रित माध्यम के अनुवाद में अपेक्षित सावधानियों की चर्चा कीजिए। 15

5. 'डबिंग-अनुवादक: अपेक्षाएँ और चुनौतियाँ' विषय पर निबंध लिखिए। 15

6. विज्ञापनों के अनुवादक को किन किन चुनौतियों का सामना करना होता है ? चर्चा कीजिए। 15

7. निम्नलिखित में से किसी **एक** अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 20

One Sunday afternoon, not long after I had started high school, I was sitting at home at

our dining-room table doing homework. It was a cold and windy fall day, and we had a fire going in our fireplace. As usual, my red tabby cat was lying on top of all my papers, purring loudly and occasionally swatting at my pen for entertainment's sake.

She was never far from me. I had rescued her when she was a kitten, and somehow she knew that I was the one responsible for giving her 'the good life'.

My mother kept stoking the fire to keep the house nice and warm. Suddenly, I smelled something strange, and then I noticed it... smoke pouring in through the seams of the ceiling. The smoke began to fill the room so quickly that we could barely see. Groping our way to the front door, we all ran out into

the front yard. By the time we made our way outside, the whole roof was engulfed in flames and it was spreading quickly. I ran to the neighbours to call the fire department, while I watched my mother ran back into the house.

अथवा

India's superstar athlete, who won the gold medal at the Tokyo 2020 Olympics, also represented India at the Paris Olympics 2024 in the javelin throw competition. All eyes were on Neeraj Chopra as the nation prayed for him to win a medal this year. He didn't disappoint and won the silver medal for the country. The 26-year-old becomes

India's fifth two-time Olympic medallist, joining Norman Pritchard, Sushil Kumar, PV Sindhu and Manu Bhaker. He also becomes the third athlete, after Sindhu and Sushil, to win medals in two different Summer Olympic Games for India. Even though Chopra won the silver, he felt he could have done better. Nonetheless, he was happy to win a medal for India. Pakistan's Arshad Nadeem won the gold medal in this competition. Chopra congratulated Nadeem on his win and said he will practice harder to with more medals for the nation.

The Indian men's hockey team made the country proud as they defeated Spain to win

the bronze medal. Spain took the lead, but India fought back and ultimately won the match 2-1. The victory is the India men's team's 13th Olympic hockey medal. The men's hockey team holds the record for winning the most medals in this sport in the Olympics' history.

8. निम्नलिखित में से किसी **एक** अनुच्छेद का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : 20

बडे दिन की छुट्टी बीत चली थी। मुझे अपने ऑफिस में समय से पहुँचना था। कलकत्ते से मन ऊब गया था। फिर भी चलते–चलते एक बार उस उद्यान को देखने की इच्छा हुई। साथ–ही–साथ जादूगर भी दिखाई पड़ जाता, तो और भी... मैं उस दिन अकेले ही चल पड़ा। जल्द लौट आना था।

दस बज चुके थे। मैंने देखा कि उस निर्मल धूप में सड़क के किनारे एक कपड़े पर छोटे जादूगर का रंगमंच सजा था। मैं मोटर रोककर उतर पड़ा। वहाँ बिल्ली रूठ रही थी। भालू मनाने चला था। ब्याह की तैयारी थी, यह सब होते हुए भी जादूगर की वाणी में वह प्रसन्नता की तरी नहीं थी। जब वह औरों को हँसाने की चेष्टा कर रहा था, तब जैसे स्वयं काँप जाता था। मानो उसके रोएँ रो रहे थे। मैं आश्चर्य से देख रहा था। खेल हो जाने पर पैसा बटोरकर उसने भीड़ में मुझे देखा। वह जैसे क्षण-भर के लिए स्फूर्तिमान हो गया। मैंने उसकी पीठ थपथपाते हुए पूछा, 'आज तुम्हारा खेल जमा क्यों नहीं ?'

'माँ ने कहा है कि आज तुरंत चले आना। मेरी घड़ी समीप है।' अविचल भाव से उसने कहा।

'तब भी तुम खेल दिखलाने चले आए।' मैंने कुछ क्रोध से कहा। मनुष्य के सुख–दुख का माप अपना ही साधन तो है। उसके अनुपात से वह तुलना करता है।

उसके मुँह पर वहीं परिचित तिरस्कार की रेखा फूट पड़ी।

उसने कहा, 'न क्यों आता ?'

और कुछ अधिक कहने में जैसे वह अपमान का अनुभव कर रहा था।

क्षण–भर में मुझे अपनी भूल मालूम हो गई। उसके झोले को गाड़ी में फेंककर उसे भी बैठाते हुए मैंने कहा, 'जल्दी चलो।' मोटर वाला मेरे बताए हुए पथ पर चल पड़ा।

अथवा

जिला स्वास्थ्य समिति और सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च के संयुक्त तत्वावधान में आईसीसी–बीसीसी की दो–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन होटल सरयुग में किया गया। इस

कार्यशाला में प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य प्रबंधकों को आई.ई.सी. और बी.सी.सी. के प्रमुख माध्यमों – प्रिंट मीडिया, नुक्कड़ नाटकों, ऑडियो, वीडियो व सोशल मीडिया की जानकारी दी गई। साथ ही इन माध्यमों के इस्तेमाल से अपने–अपने क्षेत्रों में आम लोगों तक रोग संबंधी सूचनाओं एवं स्वास्थ्य कार्यक्रमों की जानकारी बेहतर तरीके से पहुँचाने संबंधी बातों का प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला के पहले दिन डीआईओ व जिला कार्यक्रम प्रबंधक ने प्रतिभागियों को स्वास्थ्य कार्यक्रमों की सफलता में संचार की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस दौरान चार विधाओं – नुक्कड़ नाटक, प्रिंट मीडिया, ऑडियो–वीडियो और सोशल मीडिया के आधार पर प्रतिभागियों को समूहों में बाँटकर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला के अंतिम दिन प्रतिभागियों ने इन विधाओं का प्रस्तुतीकरण भी किया।

कार्यशाला के अंतिम दिन सोशल मीडिया समूह ने फेसबुक, व्हाट्सऐप और एक्स के माध्यम से जानकारी देने की बात कही। समूह ने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यमों से अधिक से अधिक लोगों तक फोटो, ऑडियो और वीडियो के माध्यम से रोग और स्वास्थ्य योजनाओं संबंधी जरूरी जानकारी एवं संदेश को पहुँचाया जा सकता है। सोशल मीडिया समूह ने फेसबुक पेज बनाने और इंस्टाग्राम आदि की भी जानकारी दी।

× × × × ×